बिहार विधान-सभा वादवृत।

मंगलवार, तिथि २० सितम्बर, १९६६।

भारत के संविधान के उपबन्ध के अनुसार एकत्र विधान-सभा का कार्य-विवरण।

सभा का अधिवेशन पटने के सभा-सदन में मंगलवार, तिथि २० सितम्बर १९६६ को पूर्वाह्न ११ बजे अध्यक्ष डा० लक्ष्मी नारायण सुधांशु के सभापतित्व में प्रारम्भ हुआ।

प्रश्नोत्तर के संबंध में।

श्री एक नारायण चौधरी---उपाध्यक्ष महोदय, हमें एक निवेदन करना है। वह यह कि ऐसा देखने में आता है कि अल्प-सूचित प्रश्न पर काफी समय लग जाता है और ज्यादा तारांकित प्रश्नों के जवाब नहीं मिल पाते हैं।

उपाध्यक्ष---भूमिका की जरूरत नहीं है, आप क्या चाहते हैं यह कहें।

श्री एक नारायण चौधरी---मैं यह कहता हूं कि नियमानुसार २० मिनट का समय अल्प-सूचित प्रश्न के लिये दिया जाय और कम से कम पूरक पूछे जायें ताकि दूसरा प्रश्न लिया जा सके।

उपाध्यक्ष---शान्ति, शान्ति। इस संबंध में माननीय अध्यक्ष महोदय ने कई दफा निवेदन किया है और मैंने भी निवेदन किया है। इसके संबंध में माननीय सदस्यगण अपने ऊपर कुछ अंकुश लगायें तभी काम चल सकता है। पूरक कुछ कम पूछें, आपके सामने ही यह भी मांग की जा चुकी है कि एक ही प्रश्न पर पूरा एक घंटा लगाया जाय। कोशिश की जायगी कि अधिक सवाल पूछा जा सके।

सभा नियमावली के नियम ४ के परन्तुक के अनुसार प्रश्नों के लिखित उत्तरों का सभा की मेज पर रखा जाना।

श्री गिरीश तिवारी---महाशय, मैं तृतीय बिहार विधान-सभा के द्वादश-सत्र (फरवरी-अप्रील), १९६६ ई० के शेष ३९१ अतारांकित प्रश्नों में से ५६ प्रश्नों के उत्तर * सदन के पटल पर रखता हूं।

---

*नोट---उत्तर के लिये कृपया परिशिष्ट देखें।

श्री सत्येन्द्र नारायण सिंह—प्रश्न के प्रथम खंड का उत्तर स्वीकारात्मक है । कच्चा चैनेल, पम्प हाउस आदि का काम बाकी था जिसके चलते ये नलकूप चालू नहीं किए गए थे । अब सारे काम पूरे हो चुके हैं और एक नलकूप को दिनांक १० सितम्बर १९६६ को और दूसरे को दिनांक ११ सितम्बर १९६६ को चालू कर दिया गया है ।

गहूमा, अजय और घघरा योजना ।

२०१। श्री श्रीकृष्ण सिंह—क्या मंत्री, कृषि (लघु सिंचाई) विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि चकाई प्रखंड (मुंगेर) में गहूंमा, अजय और घघरा लघु सिंचाई स्कीमों का सर्वेक्षण कब पूरा हुआ, खर्च की प्राक्कलित राशि क्या है तथा इस कार्यान्वित करने में विलम्ब का कारण क्या है ?

श्री सत्येन्द्र नारायण सिंह—चकाई प्रखंड (मुंगेर) में गेहूमां और घघरा योजनाओं का सर्वेक्षण अभी नहीं किया गया है । अजय योजना का सर्वेक्षण नवम्बर १९६४ में हुआ था। कुछ और तकनीकी सूचनाएं बाद में प्राप्त की गयी हैं । इस योजना का प्राक्कलन तैयार किया जा रहा है । इसमें ५–६ लाख रुपये लगने की संभावना है । यह डैम की योजना होगी। अतः सर्वेक्षण में विलम्ब हुआ है ।

रजोखर पोखर का जीर्णोद्धार ।

२०२। श्री महेश कन्त शर्मा—क्या मंत्री, कृषि (लघु सिंचाई) विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि—

(१) क्या यह बात सही है कि दरभंगा जिलान्तर्गत नेहरा ग्राम (थाना मनीगाछी) में एक रजोखर पोखर है जिसका रकबा १२५ बीघे का है ;

(२) क्या यह बात सही है कि उक्त पोखरे से दो हजार बीघे जमीन की सिंचाई होती है, लेकिन उसमें मिट्टी भर गई है ;

(३) क्या यह बात सही है कि उक्त पोखरे के जीर्णोद्धार के लिये सरकार द्वारा अप्रैल-मई, १९६६ में सर्वेक्षण कराया गया है ;

(४) यदि उपरोक्त खंडों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं तो आजतक सरकार द्वारा इस संबंध में क्या-क्या कार्रवाई की गई है ?

श्री सत्येन्द्र नारायण सिंह—(१) उत्तर स्वीकारात्मक है ।

(२) इस तालाब में मिट्टी भर गयी है । इसके जीर्णोद्धार के लिये योजना तैयार की जा रही है । योजना तैयार होने पर ही इससे सिंचाई की क्षमता बतायी जा सकती है ।